नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

साहित्य विद्यापीठ में दीक्षारंभ

सूर, ताल, राग की एकात्मता है साहित्य - कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

वर्धा, 6 अगस्त 2019: साहित्य, संगीत और कला-काव्य मनुष्य के जीवन दृष्टि के लिए आवश्यक है। साहित्य मनुष्य के जीवन में आनंद सुख है। साहित्य विप्लव का नहीं अपितु संप्लव का होना चाहिए। साहित्य सूर, ताल और राग की एकात्मता है। उक्त विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने व्यक्त किये। साहित्य विद्यापीठ द्वारा गालिब सभागार में शुक्रवार को आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. शुक्ल बोल रहे थे। साहित्य के शोधार्थियों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि साहित्य को संपूर्ण भारतीय भाषाओं से समझने की कोशिश करनी चाहिए। साहित्य के विद्यार्थी के नाते आपकी जिम्मेदारी

बढ़ गयी है। उन्होंने कहा कि काल और देश को बांधने वाला साहित्य समय की आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि हिंदी केसाथ-साथ एक भारतीय भाषा को जरूर सीखना चाहिए।

इस अवसर पर मंच पर साहित्य विद्यापीठ की अधिष्ठाता प्रो. प्रीति सागर, कार्यकारी कुलसचिव प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर डॉ. रामानुज अस्थाना उपस्थित थे। स्वागत वक्तव्य प्रो. प्रीति

सागर ने दिया। उन्होंने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को विद्यापीठ के पाठ्यक्रम एवं गतिविधियों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रामानुज अस्थाना ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यापीठ एवं विभागों के अध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।